

॥ श्रीसामवेदे श्रीराधिकाश्रुतिः ॥

.. Shri Samavede Shri RadhikashrutiH ..

sanskritdocuments.org

November 5, 2017

---

.. Shri Samavede Shri RadhikashrutiH ..

॥ श्रीसामवेदे श्रीराधिकाश्रुतिः ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : rAdhikAshrutiH

File name : rAdhikAshrutiH.itx

Category : devii, radha

Location : doc\_devii

Description-comments : sarasa stotrasangrahaH (Lucknow, 1909)

Latest update : November 4, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 5, 2017

*sanskritdocuments.org*



लीलीलामा मां श्रीराधिकैवाधिष्ठात्री

सकलनियन्त्री परश्वोन्नियो यस्याः ॥

ॐ श्रीमुखं गाधिनिलयमादौ कलयति स का गीकायालालयला ॥

ॐ श्री षट् कारी यवालीयवाली

ॐ औषट् निम्नगारी करविगलजगद्वलीधनघनाजगदेकभावनी  
सर्वशस्य मानसी जगद्वृहत्स्थावरपर्यन्तानुज्ञाकारी ।

ॐ ॐ फट् नटशाण्डिल्यकारिणी मायामङ्गलविवदानुरूपिणी ॥

ॐ कं खट् खट्वाङ्गसकलनिमित्तं प्रभवनुलुनुला प्रविद्या

अशेषनिशेषनीप उनीपडखटकारिणी ॥

ॐ त्रिङ्कटवटाशुटशुटाविगटयटाजङ्गणडीजटा

सकलशुद्धानुरूपिणी देवीमहं प्रपदे ॥

ॐ डां अषट् अकारानुरूपिणी जृजटजगदिकोद्धारणी वीगली  
भक्तिमागोपदेशिनी नीगलनीगलनीष्टां विष्टविष्टसम्मिष्टां याङ्गाङ्गगति  
निहितां सर्वसर्वेषु मां रीं पठापाटां पठतीनितरां सर्वजवोपकर्त्री  
शुं वीं श्रुङ्गीं सकलनीलये प्राक्प्रागानुपूर्वादिग्यं दिगं दहति निगतारां  
धराधेति सिद्धा सिद्धिसिद्ध्या सकलनिगदा वायुवेशोसुकरी ॥

ॐ मां छं ठछां गीं वेदवेदाङ्गयाङ्गीं निशां

नीचेनीचलनीचलखचलशीगलकाण्डबाण्डीरभाण्डी

फाटं फाटं सकलवसुधां कृष्णमेकग्रियाणी ॥

ॐ दिं दिव्याङ्गभूतां कलकलकलिंगं विध्रविध्रान्तकारी

सातं सानं रन्वितां ब्रह्मेन्द्रशिवयारीजारी दासीभूता

सकलवनितां देवीमहं प्रपद्ये ॥

इतिसामोद्भवा गीतोपनिषताराधिकाया योऽङ्गणप्रातर्मध्याह्नकाले

त्रिसन्ध्यां पठति निहितः सोऽपि पापैर्विमुक्तः ॥

ध्येयं ध्येयं धरनिविगलं याति गोलोकपूर्वम् ॥

इति श्रीमत्सामवेदरहस्ये श्रीराधिकाश्रुतिः सम्पूर्तिमगात् ॥


Proofread by Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com


॥ श्रीसामवेदे श्रीराधिकाश्रुतिः ॥

---

From shrI sarasa stotrasangrahaH (Lucknow, 1909).

---

——  
.. Shri Samavede Shri RadhikashrutiH ..  
on November 5, 2017

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

